गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश

(21 जनवरी, 2023 को रिकॉर्डिंग हेतु)

जय हिन्द!

प्रिय प्रदेशवासियों,

गणतंत्र दिवस की 73वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएँ। पिछले साल ही हमने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए और पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव, मना रहा है। शीघ्र ही हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का 75वां गणतंत्र दिवस मनाएंगे। आजादी और लोकतंत्र की 75 वर्षों की इस यात्रा को आज पूरा विश्व आश्चर्य और सम्मान के साथ देख रहा है।

निश्चित रूप से यह अवसर हम सभी के लिए गर्व का अवसर है। आज का दिन भारत के संविधान के निर्माताओं को और आजादी के महानायकों को याद करने का दिन है उनके प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है।

मैं आज इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी भारतीय संविधान के प्रणेता बाबा साहब आंबेडकर जी सहित सभी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और संविधान निर्माताओं को अपने श्रद्धा–सुमन अर्पित करता हूँ।

मैं इस अवसर पर देश की सुरक्षा में तैनात सैन्य बलो और सभी सुरक्षा एजेंसियों के जवानों को सैल्यूट करता हूँ जो देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। मैं देश की रक्षा में शहीद हुए वीर जवानों को नमन करता हूँ।

प्रिय प्रदेशवासियों,

73 वर्षों की यह यात्रा अत्यंत गौरवशाली रही है और आज, पूरा विश्व नेतृत्व के लिए भारत की ओर देख रहा है। एक समय था जब विदेशियों ने कहा था की भारत अपनी स्वतंत्रता को संभाल नहीं पाएगा उन्होंने कहा था कि इतना विशाल राष्ट्र जो विभिन्न धर्मों समुदायों वर्गों और भौगोलिक क्षेत्रों में बंटा हुआ है उसका एक इकाई के रूप मे बने रहना बहुत कठिन है। लेकिन आज आजादी के 75 सालों में भारत ने हर एक संदेह का न सिर्फ करारा जवाब दिया बल्कि विश्व के शीर्ष राष्ट्रों में शामिल हुआ है।

आज हमारा देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी ईकोनॉमी है। बहुत से अर्थशास्त्रियों का मानना है कि वर्ष 2050 तक जब हम अपने गणतंत्र के सौ साल पूरे करेंगे हमारा देश विश्व की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था होगी। पिछले वर्षों में जब पूरा संसार कोविड महामारी से जूझ रहा था एक बार फिर भारत के वैज्ञानिकों ने यहाँ के हेल्थ सिस्टम ने और यहाँ की लीडरशिप ने पूरी दुनिया को भारत की शक्ति दिखाई।

हमारे देश की शक्ति का स्रोत हमारा महान संविधान है जिसने हमें एक डोर में तो बांधा ही है हमें हर परिस्थिति में एक लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया है। आज का पावन दिन हमारे संविधान के महान आदर्शों को याद करने का अवसर है।

प्रिय प्रदेशवासियों,

दो वर्षों में 2025 में हम अपनी स्थापना के 25 वर्ष भी पूर्ण करेंगे। भारत वर्ष की विकास यात्रा में उत्तराखण्ड का भी बड़ा योगदान है और हमें एक बड़ी भूमिका के लिए खुद को तैयार करना है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि 21वीं शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक है। उत्तराखण्ड में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनने की सारी संभावनाएं है। पिछले वर्षों में हमने विकास के कई मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और टेक्नोलॉजी के फील्ड में हमारे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

बॉर्डर एरिया और कठिन पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोक कर रिवर्स पलायन की प्रक्रिया को गति देना सरकार की प्राथमिकता है। पलायन की समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण एवं दूर–दराज क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएँ पर्याप्त रूप से प्रदान करने की आवश्यकता है इसके साथ ही इन क्षेत्रों में युवाओं तथा महिलाओं के लिए रोजगार सृजन की और अधिक आवश्यकता है।

उत्तराखण्ड के गावों में शत–प्रतिशत इलेक्ट्रीफिकेशन हो चुका है। हर घर जल योजना के अंतर्गत घर–घर पानी पहुंचाया जा रहा है आयुषमान भारत योजना से लोगों को निशुल्क ईलाज मिल रहा है। बहुत सी अलग–अलग योजनाओं के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने हेतु प्रयास भी किये जा रहे हैं।

महिलाएँ इस प्रदेश के विकास की केन्द्र बिन्दु हैं। महिलाओं को शिक्षा एवं रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश के विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दिशा में महिला स्वयं सहायता समूहों की प्रमुख भूमिका है। मैंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान यह देखा है कि यहाँ महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अच्छा कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री जी ने भी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों की सराहना की है।

इन समूहों को, आवश्यक ट्रेनिंग और सहायता प्रदान कर इन्हें और अधिक सशक्त बनाने की कोशिश की जा रही है। आकर्षक पैकेजिंग और प्रोफेशनल मार्केटिंग में ट्रैनिंग पाकर यहाँ के स्थानीय उत्पाद अच्छे–अच्छे ब्रांड को टक्कर दे सकते हैं। राज्य में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महिला समूहों को बिना किसी ब्याज के 5 लाख रुपये तक ऋण देने की योजना लागू की गई है। महिलाओं को प्रेरित करने के लिए लखपति दीदी योजना प्रारंभ की गई है। सरकारी नौकरियों में

महिलाओं को 30 प्रतिशत क्षैतिज रिजर्वेशन देने के लिये कानून बनाया गया है।

कनेक्टिविटी किसी भी राज्य के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कनेक्टिविटी के द्वारा पर्यटन और निवेश को बढ़ावा दिया जा सकता है। ट्रिपल R यानी रोड रेलवे और रोप–वे के माध्यम से राज्य की कनेक्टिविटी में सुधार किया जा रहा है।

चारधाम ऑलवेदर सड़क परियोजना में चार धामों के साथ–साथ कुमाऊँ क्षेत्र की टनकपुर–पिथौरागढ़ सड़क परियोजना पर काफी काम किया जा चुका है। केन्द्र सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को निकटवर्ती बड़े शहरों से जोड़ने के लिये और राज्य की आंतरिक सड़कों के लिये कई योजनाएँ स्वीकृत की गई हैं।

ऋषिकेष–कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। टनकपुर–बागेश्वर और डोईवाला गंगोत्री–यमुनोत्री रेल लाइन के सर्वे पर सहमति मिल गई है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया जा रहा है। उड़ान योजना में हेलीकॉप्टर सेवा प्रारम्भ की गई है।

उत्तराखण्ड के पर्वतीय जनपदों में विभिन्न नागरिक सेवाओं की पहुंच बनाने के लिये अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी भी आवश्यक है। इसके माध्यम से लोगों को बहुत सी सेवाएं और सुविधाएं ऑनलाइन अपने गाँव में मिल सकती हैं। बच्चों की

स्मार्ट क्लास हो, टेलीमेडिसिन के माध्यम से डॉक्टर का परामर्श हो, सब कुछ आने वाले समय में आसान होने जा रहा है। इसके लिये प्रदेश के दूर–दराज और सीमांत क्षेत्र के लिये BSNL के बारह सौ दो मोबाइल टावरों को स्वीकृति मिली है। सभी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइवर से जोड़ा जा रहा है।

उत्तराखण्ड के दुर्गम पर्वतीय भाग प्राकृतिक आपदा से भी प्रभावित रहते हैं। इसके लिए आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। जोशीमठ में लैंड स्लाइड की प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए सरकार ने सभी संभव कदम उठाए हैं। प्रभावितों की सुरक्षा और उनका समुचित विस्थापन सरकार की प्राथमिकता है। मैं जोशीमठ के साथ–साथ समस्त प्रदेशवासियों को भी आश्वस्त करना चाहता हूँ कि जोशीमठ में उत्पन्न स्थिति का जल्दी ही निराकरण किया जायेगा। आपदा की इस घड़ी में हम सब पीड़ितों के साथ हैं।

हमारे वीर सैनिक हमारी शान है। उत्तराखण्ड सैन्य भूमि है। यहां के लोगों का सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ गहरा लगाव है। देहरादून में भव्य सैन्य धाम की स्थापना की जा रही है। राज्य के वीरता पदक पाने वाले सैनिकों को दिये जाने वाले अनुदान में भारी वृद्धि की गई है। अपने सैनिकों का सम्मान और कल्याण सुनिश्चित करके ही हम अपने लोकतंत्र का सम्मान करते हैं।

आज केन्द्र सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड में विकास के कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। सात शहरों में सीवरेज, पेयजल, ड्रेनेज और पार्क निर्माण के लिये अमृत योजना चलाई जा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 55 हजार गरीबों को आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखण्ड में अनेक केन्द्रीय संस्थानों का आगमन हुआ है। ऊधम सिंह नगर में एम्स का सैटेलाइट सेंटर, ड्रोन एप्लिकेशन सेंटर, प्लास्टिक इंजीनियरिंग इंस्टीटयूट, कोस्टगार्ड भर्ती सेंटर जैसी संस्थाएं उत्तराखण्ड में आयी हैं। इनका लाभ यहां की जनता को विशेष रूप से यहां के युवाओं और महिलाओं को अवश्य मिलेगा।

जैविक कृषि और बागवानी उत्तराखण्ड के विकास की धुरी हैं। उत्तराखण्ड के हिमालयी क्षेत्रों के जैविक उत्पादों यहां के शहद यहां के घी यहां की बेमौसमी सब्जियों की बाहर बहुत डिमाण्ड है। इनके उत्पादन को और अधिक व्यवस्थित और प्रशिक्षित तरीके से बढ़ावा देकर हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि लाई जा सकती है।

सरकार द्वारा, इस दिशा में कई ठोस कदम उठाये गये है। प्रदेश में जैविक उत्पादों के लिये लगभग 5 हजार Clusters संचालित किये जा रहे है। जैविक उत्पादों की बिक्री के लिये बाजार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य की बेरीनाग चाय और मुन्स्यारी राजमा को जी.आई. टैगिंग की पहचान मिली है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण में उत्तराखण्ड अपनी प्रमुख भूमिका निभा रहा है। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केन्द्र श्री बदरीनाथ–श्री केदारनाथ में रि–डिवेलपमेंट और रि–कन्सट्रक्शन के काम हो रहे है। कुमाऊँ के पौराणिक मंदिरों को भव्य बनाने के लिये मानसखण्ड मंदिर माला मिशन प्रारम्भ किया गया है।

इस वर्ष 45 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चारधाम के दर्शन किये। करोड़ों कांवड़ यात्री हरिद्वार और अन्य भागों में सफल यात्रा करके वापस गये। यात्रा की सफल व्यवस्थाओं के लिये हमारे पुलिस प्रशासन के साथ–साथ राज्य की जनता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिये मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों पर बेहतर यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पर्वतमाला रोप–वे मिशन प्रारम्भ किया गया है। स्वयं प्रधानमंत्री जी ने श्री केदारनाथ और हेमकुण्ड साहिब के लिये रोपवे की आधारशिला रखी है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये होम–स्टे योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

प्रिय प्रदेशवासियों,

राज्य के समग्र विकास के लिये भ्रष्टाचार मुक्त एप–1064 और सीएम हेल्पलाइन 1905 प्रभावी कार्य कर रहे हैं। लगभग 500 सेवाओं को सेवा का अधिकार कानून के अन्तर्गत लाया गया है। जबरन धर्म परिवर्तन रोकने के लिए राज्य में कठोर धर्मातंरण कानून लाया गया है। जिला स्तरीय अधिकारियों सहित शासन के उच्चाधिकारियों को गाँव–गाँव जाकर लोगों की समस्याएँ सुनने और उनका समाधान करने के निर्देश दिये गये है।

प्रदेश में बाल वाटिकाओं की स्थापना के साथ उत्तराखण्ड नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। उच्च शिक्षा में भी नई शिक्षा नीति लागू कर दी गई है। ऑनलाइन शिक्षा स्मार्ट क्लास और आधुनिक शिक्षा माध्यमों

के द्वारा प्रदेश के युवाओं हेतु एक बेहतर माहौल बनाया जा रहा है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में रोजगार परक पाठ्यक्रम क्वालिटी रिसर्च और पेटेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नई तकनीकि पर आधारित कोर्सेज पर फोकस किया जा रहा है।

इस वर्ष G-20 देशों की प्रेसिडेंसी भारत को प्राप्त होना हम सभी देशवासियों के लिये गर्व का क्षण है। उत्तराखण्ड में भी इस वर्ष G-20 से जुडे कार्यक्रम आयोजित होंगे। हमारे पास पूरे विश्व को उत्तराखंड की क्षमता यहां की कला संस्कृति यहां निवेश के अवसर और अन्य खूबियों को दिखाने का अवसर होगा।

जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री जी ने इस अवसर के माध्यम से, खूबसूरती से कहा है कि भारत ”एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य” की थीम से प्रेरित होकर विश्व की एकता को और बढ़ावा देने के लिए काम करेगा। हम भारतवासी ”वसुधैव कुटुम्बकम” की अवधारणा को जानते हैं।

प्रिय प्रदेशवासियों,

आज के भारत में विश्व अपना भविष्य देख रहा है। हम पुनः एक बार विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। हमारी संस्कृति, योग–ध्यान–आयुर्वेद, हमारा प्राचीन ज्ञान पुनः स्थापित

हो रहा है। उत्तराखण्ड भी भारत वर्ष की इस नई पहचान का मुख्य प्रतिभागी राज्य है।

आज के पावन अवसर पर आइये हम सभी राज्य एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संकल्प लें। एक बार पुनः आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्द!